PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Monday 6th July 2015, Page: 11
Width: 19.35 cms, Height: 8.64 cms, a4r, Ref: pmin.2015-07-06.35.77

फार्मा निर्यात बढ़ाने की तैयारी में सरकार

■ दवाओं का निर्यात बढ़ाने के उठाए जा रहे कदम ■ चिकित्सा उपकरणों का निर्यात भी बढ़ाया जाएगा

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने निर्यात संबंधी मुद्दों पर विचार करने और अफ्रीका जैसे उभरते बाजारों में जागरूकता कार्यक्रमों के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समिति का गठन करने के साथ कई पहल की हैं ताकि दवा निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि फार्मा क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिहाज से विशाल संभावनाएं हैं। वाणिज्य मंत्रालय निर्यात बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहा है। अधिकारी ने कहा कि निर्यात संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए अंतर-मंत्रालयीय समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा मंत्रालय फार्मा खरीद पर निर्देश दस्तावेज तैयार कर रहा है ताकि अफ्रीका, लातिनी अमेरिका और दक्षिण एशिया में अधिकारियों को उनके खरीद कार्यक्रमों में मदद की जा सके।

इन बाजारों में भारतीय फार्मा उद्योग के बारे में जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किया गया है और भारतीय दवा नियामक एवं उद्योग के लिए यूएसएफडीए के साथ कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। हाल ही में भारतीय फार्मा उद्योग को नियामकीय ढांचे का अनुपालन

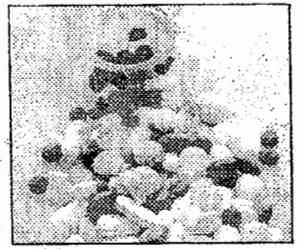

नहीं करने के लिए अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों सनफार्मा और वॉकहार्ट समेत कई घरेलू जेनेरिक दवा कंपनियों को कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

वाणिज्य मंत्रालय देश का निर्यात बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर कर रहा है जो पिछले साल दिसम्बर से नकारात्मक दायरे में है। भारत का फार्मा निर्यात 2014-15 में करीब तीन प्रतिशत बढ़कर 15.34 अरब डालर था। विदेश व्यापार नीति के दस्तावेज के मुताबिक फार्मा क्षेत्र कई चुनौतियों से घिरा है। ज्यादातर चुनौतियां भारत की जेनेरिक दवा की विश्वस्त आपूर्तिकर्ताओं संबंधी प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं।

अधिकारी ने कहा, 'दवा नियामकों के साथ जागरूकता कर्यक्रमों और कार्यशालाओं से इन चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।' वैश्विक बाजार में मात्रा के लिहाज फार्मा निर्यात का योगदान 10 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 1.4 प्रतिशत है। उम्मीद है कि 2009-2020 के बीच उद्योग 14.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर के साथ 55 अरब डालर हो जाएगा।